रोल नं0 | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

102

402 (IAC)

2014

हिन्दी

(केवल कृषि वर्ग भाग–II के लिए)

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 100

निर्देश : (1) इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड 'अ' और 'ब' हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव क्रमवार दीजिए।

(2) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड -- 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

भारत में शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रजातन्त्रात्मक नागरिकता का विकास करना है। इसके प्रशिक्षण हेतु भाषण–विधि की तुलना में वाद–विवाद विधि को अधिक उत्तम माना जायेगा। इसका कारण यह है कि भाषण विधि में तो केवल शिक्षक ही सक्रिय रहता है और विद्यार्थी निष्क्रिय। प्रजातन्त्रात्मक शासन प्रणाली को सफल बनाने के लिए आवश्यक है कि विद्यार्थियों के अन्दर स्वतन्त्र विचार धारा तथा तार्किक निर्णय करने की शक्ति हो। ये गुण विद्यार्थियों में वाद–विवाद विधि के अपनाने से ही सम्भव हो सकता है। इसके विपरीत यदि किसी देश में तानाशाह सरकार हो, तो शासन प्रणाली में वाद–विवाद विधि को अच्छा नहीं समझा जायेगा। भाषण–विधि ही ऐसी शासन व्यवस्था में अच्छी समझी जायेगी। इसका कारण यह है कि कोई भी तानाशाह यह नहीं चाहेगा कि उसके नागरिक शासन प्रणाली की आलोचना करें।

(क) प्रजातन्त्र में नागरिकता के प्रशिक्षण हेतु कौन सी विधि उत्तम मानी जायेगी ? 3

(ख) प्रशिक्षण की कौन सी विधि में विद्यार्थी निष्क्रिय रहते हैं ? 3

(ग) वाद–विवाद विधि को अपनाने से कौन से गुण सम्भव हो सकते हैं ? 3

(घ) कोई भी तानाशाह क्या नहीं चाहता है ? 3

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 3

2. निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए :– 10

(क) आधुनिक भारत की समस्याएँ

(ख) ओलम्पिक खेल और भारत

(ग) साहित्य और समाज

(घ) चाँदनी रात में नौका–विहार

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :–

(क) जन संचार किसे कहते हैं ? 1

(ख) इण्टरनेट से होने वाले दो लाभ बताइये। 1

(ग) 'रेडियो' संचार माध्यम की किस श्रेणी में आता है ? 1

(घ) 'सम्पादकीय' किसे कहते हैं ? 1

(ङ) 'ब्रेकिंग न्यूज' का क्या तात्पर्य है ? 1

4. परिषदीय परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अपने विद्यालय के छात्रों के 'विदाई–समारोह' पर लगभग 150 शब्दों का एक प्रतिवेदन (रिपोर्ट) तैयार कीजिए। 5

अथवा

'आये दिन होने वाले आन्दोलनों का जन–जीवन पर प्रभाव' विषय पर लगभग 150 शब्दों का एक आलेख लिखिए।

5. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गये किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 1½+1½=3

प्रतिक्षण नूतन वेश बनाकर रंग–बिरंग निराला।
रवि के सम्मुख थिरक रही है नभ में वारिद–माला।
नीचे नील समुद्र मनोहर ऊपर नील गगन है।
घन पर बैठ, बीच में बिचरूँ यही चाहता मन है।।

(क) सूर्य के सम्मुख कौन थिरक रहा है ? उसने कैसा वेश बना रखा है ?
(ख) कवि का मन क्या चाहता है ?
(ग) इस काव्यांश के पाठ तथा कवि का नाम लिखिए।

6. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गये किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 1½+1½=3

अंगना–अंग से लिपटे भी
आतंक अंक पर काँप रहे हैं।
धनी, वज्र–गर्जन से बादल!
त्रस्त नयन–मुख ढाँप रहे हैं।
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर!
चूस लिया है उसका सार,
हाड़–मात्र ही है आधार,
ऐ जीवन के पारावार!

(क) धनी लोग अपने नेत्र और मुख को क्यों ढक रहे हैं ?
(ख) बादलों को कौन बुला रहे हैं ? उनके शरीर की दशा कैसी है ?
(ग) 'विप्लव के वीर' किसे कहा गया है ? क्यों ?

7. निम्नलिखित काव्यांशों का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 2+2=4

(क) अपनी बस्तियों को
नंगी होने से
शहर की आबो–हवा से बचाएँ उसे
बचाएँ डूबने से
पूरी की पूरी बस्ती को
हड़िया में।

(ख) नभ में पाँती–बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।

8. (क) लोग मीरा को बावरी क्यों कहते हैं ? 2

अथवा

'वे आँखें' कविता में कवि को कौन–कौन से पिछले सुखों की याद आती है ?

(ख) 'कैमरे में बन्द अपाहिज' करूणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है। स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

'बात सीधी थी पर' में भाषा को सहूलियत से बरतने का क्या तात्पर्य है ?

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– 1½+1½=3

अलोपीदीन ने कलमदान से कलम निकाली और उसे वंशीधर के हाथ में देकर बोले– न मुझे विद्वता की चाह है, न अनुभव की, न मर्मज्ञता की, न कार्य कुशलता की। इन गुणों के महत्व का परिचय खूब पा चुका हूँ। अब सौभाग्य और सुअवसर ने मुझे वह मोती दे दिया है जिसके सामने योग्यता और विद्वता की चमक फीकी पड़ जाती है। यह कलम लीजिए, अधिक सोच–विचार न कीजिए, दस्तखत कर दीजिए। परमात्मा से यही प्रार्थना है कि वह आपको सदैव वही नदी के किनारे वाला बेमुरौवत, उद्दंड, कठोर परन्तु धर्मनिष्ठ दारोगा बनाये रखे!

(क) 'इन गुणों के महत्व का परिचय खूब पा चुका हूँ।' अलोपीदीन के इस कथन का क्या तात्पर्य है?
(ख) अलोपीदीन को कौन सा मोती मिल गया है ?
(ग) इस गद्यांश में कौन, किसके लिए, क्या प्रार्थना कर रहा है ?

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– 1½+1½=3

बादलों के स्वामी, हैं इन्द्र और इन्द्र की सेना टोली बाँध कर कीचड़ में लथपथ निकलती, पुकारते हुए मेघों को, पानी माँगते हुए प्यासे गलों और सूखे खेतों के लिए। पानी की आशा पर जैसे सारा जीवन आकर टिक गया हो। बस एक बात मेरे समझ में नहीं आती थी कि जब चारों ओर पानी की इतनी कमी है तो लोग घर में इतनी कठिनाई से इकट्ठा करके रखा हुआ पानी बाल्टी भर–भर कर इन पर क्यों फेंकते हैं। कैसी निर्मम बरबादी है पानी की। देश की कितनी क्षति होती है इस तरह के अन्धविश्वासों से। कौन कहता है इन्हें इन्द्र की सेना ? अगर इन्द्र महाराज से ये पानी दिलवा सकते हैं तो खुद अपने लिए पानी क्यों नहीं माँग लेते ? क्यों मुहल्ले भर का पानी नष्ट करवाते घूमते हैं, नहीं यह सब पाखण्ड है। अंधविश्वास है। ऐसे ही अंधविश्वासों के कारण हम अंग्रेजों से पिछड़ गये और गुलाम बन गए।

(क) इन्द्र की सेना क्या करती हुई पानी माँगने के लिए निकलती है ?
(ख) लेखक को कौन सी बात समझ में नहीं आती ?
(ग) इस गद्यांश के पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

11. मियाँ नसीरूद्दीन को नानबाइयों का मसीहा क्यों कहा गया है ? 3

अथवा

'रजनी' पाठ में लेखिका ने किस समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया है ? वह इस प्रयास में कहाँ तक सफल हुई है ?

12. भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई ? 3

अथवा

लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत (संन्यासी) की तरह क्यों माना है ?

13. मरूभूमि में धरती पर दरारें क्यों नहीं पड़ती हैं ? 2

अथवा

लेखिका (बेबी हालदार) को तातुश के घर काम करने में सुख का अनुभव क्यों होता था ?

14. सिल्वर वैडिंग की पार्टी के अन्त में यशोधर बाबू को अपने बेटे की कौन सी बात चुभ गई थी और क्यों ? 2

अथवा

'जूझ' में स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास, लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ ?

15. पालरपानी, पातालपानी और रेजाणीपानी के बारे में विस्तार से लिखिए। 5

अथवा

मुअनजो–दड़ो के अजायबघर की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

खण्ड – 'ब'

16. अधोलिखित गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न द्वयो उत्तरं लिखत। 1½+1½=3

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।)

पुरा श्रीहर्षः भारतस्य महान् सम्राट् आसीत्। तस्मिन् काले 'ह्यून्त्साङ्ग' नाम चीनदेशीयः यात्री भारतम् आगतवान्। सः भारते अनेकेषु स्थलेषु अटितवान्। जनानां व्यवहारं च ज्ञातवान्। भारतीयवस्तूनि च संगृहीतवान्।

सः स्वदेशगमनतः पूर्वं राजानं हर्षं दृष्टवान्। तं स्वानुभवं निवेदितवान्। तस्मै कृतज्ञतां च समर्पितवान्। हर्षः अपि तं सम्मानितवान्। तस्मै अनेकान् उपहारान् दत्तवान्। तस्य प्रयाणाय नौकायाः व्यवस्थां कारितवान्। तस्य रक्षणार्थं विंशतिं योधान् अपि प्रेषितवान्।

(क) ह्यून्त्साङ्गः किं संगृहीतवान् ?
(ख) स्वदेशगमनतः पूर्वं ह्यून्त्साङ्गः किं कृतवान् ?
(ग) तस्य रक्षणार्थं हर्षः किं कृतवान् ?

17. अधोलिखित गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न द्वयो उत्तरं लिखत। 1½+1½=3

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।)

एतत् दृष्ट्वा सर्वे आश्चर्येण स्तब्धाः। 'कथम् एषः लघुकायः स्तम्भम् आरोढुं शक्तवान् ?' इति ते परस्परम् अवदन्। केनचित् पृष्टः सः लघुमण्डूकः अवदत् – "अहं एकाग्रः आसम्। लक्ष्यं मनसि निधाय मया अग्रे गतम्। एकाग्रता कारणतः मया कस्यापि नैराश्यपूर्णं वचनं न श्रुतम्। अन्ये तु तादृशानि वचनानि श्रुत्वा पराजयं प्राप्तवन्तः। लक्ष्यैकदृष्टिः निरन्तरः प्रयत्नः च मम साफल्यस्य कारणम्" इति।

(क) लघुकायः किं कर्तुं शक्तवान् ? (ख) एकाग्रः कः आसीत् ?

(ग) लघुमण्डूकस्य साफल्यस्य कारणम् किम् आसीत् ?

18. प्रदत्त श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत। 2

(निम्नलिखित श्लोक से पूछे गये प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।)

श्रोत्रं श्रुतेनेव न कुण्डलेन,
दानेन पाणिर्न तु कङ्कणेन।
विभाति कायः करूणापराणां,
परोपकारेण न तु चन्दनेन।।

(क) पाणिः केन विभाति ? (ख) करूणापराणां कायः केन विभाति ?

19. प्रदत्त श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत। 2

(निम्नलिखित श्लोक से पूछे गये प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।)

हे जिह्वे कटुकस्नेहे मधुरं किं न भाषसे।
मधुरं वद कल्याणि लोकोऽयं मधुरप्रियः।।

(क) कटुक स्नेही जिह्वा किं न वदति। ? (ख) मधुर प्रियः कः अस्ति ?

20. संस्कृत पाठ्यपुस्तकाधारेण प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न द्वयो उत्तरं लिखत। 2½+2½=5

(संस्कृत पाठ्य पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।)

(क) देशभक्तः निजप्राणान् कथं मन्यते ? (ख) वणिजां लाभः कदा न भवति ?

(ग) कीदृशः नरः साक्षात् पशुः भवति ? (घ) पशुपतिः इति श्रुत्वा पार्वती किं कथयति ?

21. संस्कृत पाठ्यपुस्तकाधारेण प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न द्वयो उत्तरं लिखत। 2½+2½=5

(संस्कृत पाठ्य पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।)

(क) आरब्धं कार्यं के न परित्यजन्ति ? (ख) फलं पुष्पं केन विशीर्यते ?

(ग) किं भक्षणात् अग्रजः उदरे तापं अनुभूतवान्? (घ) 1957 तमे वर्षे 'भारत रत्नं' कस्मै प्रदत्तम् ?

22. अधोलिखितेषु पदेषु मात्र **चत्वारि** पदानि चित्वा तेषां वाक्य रचना संस्कृत भाषायां कुरुत। 4

(निम्नलिखित पदों में से चार पदों की वाक्य रचना संस्कृत में कीजिए।)

वृक्षात्, दृश्यं, नायकः, पठन्ति, प्रतिदिनं, सदैव, कुत्र, भारः, नाम्ना, वस्तूनि

23. (क) सन्धिं कुरुत। (सन्धि कीजिए।) : यत् + छलम् **अथवा** मृगाः + चरन्ति। 1

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत। (सन्धि विच्छेद कीजिए।) : धिग्देशं **अथवा** दुर्लभम्। 1

(ग) समास विग्रहं कुरुत। (समास विग्रह कीजिए।) : रोगमुक्तः **अथवा** पितरौ। 1

(घ) कारकं स्पष्टं कुरुत। (कारक स्पष्ट कीजिए।) : 1

इदं मम पुस्तकम् अस्ति। **अथवा** कक्षायां छात्राः पठन्ति।

(ङ) विभक्ति वचनं च लिखत। (विभक्ति और वचन लिखिए।) : रामेण **अथवा** गुरवे। 1

(च) पुरुष वचनं च लिखत। (पुरुष और वचन लिखिए।) : गच्छतु **अथवा** पठिष्यामि। 1

अथवा

अस्मिन् प्रश्न–पत्रे आगतम् श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायाम् तस्य अनुवादं कुरुत। 3+3=6

(कोई एक कण्ठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो, लिखिए और उसका हिन्दी में अनुवाद कीजिए।)

****